योजना

7535.25 स्क्वायर मीटर में बनाई जाएगी फैक्टरी, कानपुर, आगरा और गोरखपुर के बाद चौथा शहर होगा बनारस

चांदपुर औद्योगिक आस्थान में बनेगी फ्लेटेड फैक्टरी, एक छत के नीचे 72 इकाइयां

ललित शंकर पांडेय

वाराणसी। पिछले तीन साल से चल रही फ्लेटेड फैक्टरी के लिए जमीन और बजट की तलाश खत्म हो गई। चांदपुर औद्योगिक आस्थान की खाली पड़ी पार्क की 7535.25 स्क्वायर मीटर जमीन में फ्लेटेड फैक्टरी बनाई जाएगी।

फ्लेटेड फैक्टरी में एमएसएमई से जुड़ीं कुल 72 इकाइयां होंगी। मुख्यालय स्तर से फ्लेटेड फैक्टरी के लिए बजट भी जारी हो गया है। कानपुर, आगरा, गोरखपुर के बाद वाराणसी चौथा शहर होगा जहां फ्लेटेड फैक्टरी बनाई जाएगी। इसके बन जाने से काशी समेत आसपास के जिलों में औद्योगिक विकास होगा और रोजगार का सृजन भी होगा।

उद्योग अधिकारियों के अनुसार 7535.25 स्क्वायर मीटर में फ्लेटेड फैक्टरी बनेगी। इसकी डिजाइन भी फाइनल हो गई है। ग्राउंड फ्लोर पर रॉ मैटेरियल्स का गोदाम, इलेक्ट्रिकल पैनल रूम, प्रदर्शनी हॉल, कमर्शियल दुकानें और छोटी दुकानें

फ्लेटेड फैक्टरी का डिजाइन

होंगी। पहले और दूसरे फ्लोर पर फ्लेटेड फैक्टरी यूनिट, तीसरे फ्लोर पर फ्लेटेड फैक्टरी यूनिट के साथ प्रशासनिक खंड, बैंक, पोस्ट ऑफिस और कैफेटेरिया होगा। उद्यमियों, कर्मचारियों के लिए अलग लिफ्ट और गुड्स के लिए लिफ्ट की व्यवस्था होगी। फायर ब्रिगेड और बिजली की अपनी अलग व्यवस्था होगी।

वर्ष 2022 से फ्लेटेड फैक्टरी के निर्माण की योजना चल रही थी। पहले इसे रिंग रोड के आसपास बनाए जाने की योजना थी लेकिन इसे शहर के अंदर विकसित किए जाने का सुझाव औद्योगिक संगठनों की ओर से मिला तो फिर जमीन चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू हुई।

चांदपुर औद्योगिक आस्थान में खाली पड़ी पार्क की जमीन को उपयोग में लाने के लिए फ्लेटेड फैक्टरी पर सहमति बनी। जमीन में कूड़ा फेंका जा रहा है। लघु उद्योग भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि संगठन की ओर से लंबे समय से मांग की जा रही थी कि अस्थान में खाली पड़ी जमीन में फ्लेटेड फैक्टरी लगाई जाए। सरकार ने मांग पर मुहर लगा दी है। इंजीनियरों की एक टीम ने खाली जमीन का सर्वे और निरीक्षण भी किया है। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक भी होनी है। बहुत से उद्यमियों को उद्योग इकाइयां लगाने के लिए भूमि आवंटित हुई है लेकिन छह साल से वह उद्योग नहीं लगा सके। ऐसी भूमि को अन्य उद्यमियों को आंवटित करना चाहिए।

एक ही भवन में एमएसएमई की इकाइयां

बहुमंजिला इमारत के जरिये 72 से ज्यादा इकाइयों को एक ही भवन में शिफ्ट किया जाएगा। इमारत के हर फ्लोर पर काम के हिसाब से स्ट्रक्चर तैयार किया गया है। बनारसी साड़ी के लिए हैंडलूम व पावरलूम, रेडीमेड गारमेंट, इलेक्ट्रॉनिक-इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट, हैंडीक्राफ्ट, पैकेजिंग, फैशन डिजाइन सहित अन्य उद्योगों को यहां संचालित किया जा सकता है।